भा.कृ.अनु.प. अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना
ICAR-ALL INDIA COORDINATED RESEARCH PROJECT ON PEARL MILLET
कृषि विश्वविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर – 342 304
Agriculture University, Mandor, Jodhpur – 342 304

स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 16–31 दिसम्बर, 2020

कार्यवाही रिपोर्ट

दिनांक 16.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के परिपत्र संख्या F. No .7 (3)/2O19-Cdn. Tech दिनांक 05 अक्टूबर, 2020 के तहत स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 16 से 31 दिसम्बर, 2020 का अभियान शुरू किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालन में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी द्वारा स्वच्छता अभियान और सफाई के लिए को 02 घंटे प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक कार्यालय/परिसर के भीतर और आसपास सफाई अभियान कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर दिनांक 16.12.2020 को परियोजना समन्वयिका द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परियोजना समन्वयिका ने स्वच्छता पखवाड़ा के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। स्वच्छता पखवाड़ा की आवश्यकता और महत्व पर अपने विचार रखे तथा बताया कि स्वच्छता स्वर्ग की जननी है, जहां स्वच्छता है वहां स्वर्ग है। समय की पालना न करना देश की सबसे बड़ी समस्या होना बताया। इस कार्यक्रम के तहत सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए शपथ ली और अपने मन–वचन के साथ प्रतिदिन दो घंटे सफाई के लिए निष्ठापूर्वक प्रदान करेंगे। सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता के बारे में अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। स्वच्छता पखवाड़ा में प्रतिदिन किए जाने वाले दिनांकवार कार्यक्रम निश्चित किए गए। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्य प्रांगण पर बैनर प्रदर्शन के लिए लगाया।

दिनांक 17.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 17.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत डॉ. विकास खंडेलवाल तथा श्री अर्जुन सिंह ने ई–ऑफिस को लागू करने के बारे में पॉवर पाइन्ट द्वारा प्रस्तुती प्रदान दी गई कि ई–ऑफिस के बारे में बताया कि किस प्रकार सुव्यवस्थित रूप से फाइलिंग सिस्टम को अपनाया जा सकता है।

दिनांक 18.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 18.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा अनुसंधान फार्म पर पौधा रोपण किया गया तथा उनकी देखरेख की गई और सफाई का कार्य सम्पन्न किया गया।

दिनांक 19.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 19.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा कार्यालय, कार्यालय के आस–पास के प्रागण, परिसर के किनारे, पार्किंग तथा अनुसंधान फार्म पर साफ–सफाई की गई।

दिनांक 21.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 21.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पुराने दस्तावेजों की समीक्षा, पुरानी अन्य वस्तुओं के निस्तारण के बारे में श्री मदन मोहन सरवटे तथा संजय सोलंकी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के तहत पुराने दस्तावेजों के निस्तारण हेतु एक कमेटी का गठन भी किया गया।

दिनांक 23.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 23.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गांव लूणी में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को आमंत्रण किया गया तथा स्वच्छता के बारे में अपने अनुभव बताये गये, साथ ही साथ किसानों ने कृषि संबंधी समस्याएं भी बताई गई जिसका वैज्ञानिकों द्वारा समाधान किया गया। डॉ. महेन्द्र कुमार ने कृषि कचरे से जैविक खाद कम्पोस्ट बनाना तथा वर्मी कम्पोस्ट बनाने का प्रदर्शन भी किया गया। डॉ. आर.सी. मीणा द्वारा खेती में संतुलित पोषक तत्व प्रदान करने के बारे में बताया। परियोजना समन्वयिका डॉ. सी. तारा. सत्यवती द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना तथा कोरोना महामारी से बचाव के बारे में बताया। स्वच्छता प्रभारी डॉ. बेनीवाल ने स्वच्छता को आवश्यकता एवं महत्व पर अपने विचार प्रकट किए तथा उन्नत बीजों के बारे में किसानों को जानकारी दी। किसानों ने भी अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना द्वारा अपनाई गई एम.पी.एम.एच–17 किस्म के बारे में बताया कि यह किस्म अन्य किस्म की तुलना में बहुत अच्छी है और किसान इसको अधिक उपयोग में लेना चाहते हैं।

दिनांक 24.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 24.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत इस कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के गेस्ट हाऊस के प्रांगण पर साफ–सफाई का कार्य सम्पन्न किया गया।

दिनांक 30.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों के अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश के अनुसार दिनांक 30.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत इस कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा गृह वाटिका में भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. सी.तारा सत्यवती, परियोजना समन्वियका द्वारा सभी माननीयों का स्वागत करते हुए गृह वाटिका से जुड़ी जानकारी प्रदान तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉ. भारत सिंह भीमावत, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर, डॉ. सीताराम कुम्हार, अनुसंधान निदेशक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, डॉ. उम्मेद सिंह, निदेशक पी.एम.ई, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर व डॉ. एस.के. मूंड, सह. प्राचार्य, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर मुख्य अतिथि रहे। डॉ. बी.एस. भीमावत द्वारा बाजार की तुलना में सस्ती एवं उत्तम गुणवत्तायुक्त सब्जियों को उगाना तथा उसके महत्व का बताया। डॉ. एस.आर. कुम्हार द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता आज की जरूरत व आवश्यकता है तथा इसे हमेशा अपनाने के बारे में बताया। डॉ. उम्मेद सिंह ने गृह वाटिका से संबंधित जानकारी प्रदान की तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न फल–फूल, सब्जियों को उगाकर शुद्ध, उत्तम गुणवत्ता वाली सब्जियों को प्राप्त कर सकते हैं। गृह वाटिका के डॉ. एस. के. मूंड द्वारा गृह वाटिका के महत्व को बताते हुए सब्जियों को उगाने के उद्देश्य, विधि, प्रबंध व्यवस्था विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया। इस प्रकार के सब्जी उत्पादन मे मुख्य ध्येय आर्थिक लाभ न होकर परिवार के पोषण स्तर को बढ़ाना तथा घर में ही ताजी शाक–सब्जी का उत्पादन करना होता है। गृह वाटिका में उगी सब्जियों में जहरीली दवाइयों एवं कीटनाशकों का प्रभाव नहीं होता है, जो कि बाजार से खरीदी हुई सब्जियों में हो सकता है। अंत में परियोजना समन्वियका द्वारा सभी को कार्यक्रम को सफल बनाते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिनांक 31.12.2020

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निर्देशों की अनुपालना में अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के आदेश अनुसार दिनांक 31.12.2020 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत इस कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के पूर्णता समारोह में भाग लिया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया। परियोजना समन्वियका द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 16 से 31 दिसम्बर, 2020 तक के कार्यक्रम की गतिविधयों छायाचित्रों द्वारा प्रस्तुती प्रदान की। मुख्य अतिथि माननीय कुलपति महोदय ने स्वच्छता पखवाड़ा के संबंध में अपने संदेश प्रदान किए कि स्वच्छता केवल बाहर की ही नहीं अपितु मन के भीतर की शुद्धि भी आवश्यक है और सकारात्मक विचारों के साथ जीवन के हर क्षेत्र में व कृषि विश्वविद्यालय के विकास में सहभागी बने एवं अपने कर्तव्यों का वहन करते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करें। अंत में स्वच्छता पखवाड़ा के प्रभारी डॉ. बी.आर. बेनीवाल ने उपस्थिति सभी अतिथियों एवं सहभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया एवं कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी का आभार प्रकट किया।